SSC GD 2025

अवसर बैच

हिंदी

अव्यय

LIVE 05-08-2024 06:15 PM

अव्यय (अविकारी)

अ — नहीं

व्यय — खर्च

* **परिभाषा** :→ जिन शब्दों में लिंग, वचन, काल, कारक के आधार पर कोई विकार (बदलाव) नहीं होता है उसे अव्यय कहते हैं।

उदा :→ यहाँ, वहाँ, लेकिन, परन्तु, इसलिए, और, सहित, या, धीरे-धीरे, जल्दी-जल्दी, प्रतिदिन, दिनभर आदि।

→ राम मधुर गाता है।

→ सीता मधुर गाती है।

→ मुसकीम अचानक आ गया।

→ रेशमा अचानक आ गयी।

अव्यय के भेद → पाँच

(1) क्रिया विशेषण अव्यय
(2) संबंधबोधक अव्यय
(3) समुच्चय बोधक अव्यय
(4) विस्मयादि बोधक अव्यय
(5) निपात — गौण भेद

मुख्य भेद

(1) क्रिया विशेषण :→ क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रिया विशेषण कहते हैं।

संज्ञा
सर्वनाम → विशेषण

विशेषण → प्रविशेषण

क्रिया → क्रिया विशेषण

(1) राम अच्छा लिखता है।
क्रिया विशेषण क्रिया

कविता खाना अच्छा बनाती

(2) मोहन तेज दौड़ता है। ✓

① क्रिया विशेषण भेद – चार

(1) स्थानवाचक | स्थिति वाचक क्रिया विशेषण

(2) काल (समय) वाचक क्रिया विशेषण

(3) परिमाण वाचक क्रिया विशेषण

④ रीति वाचक क्रिया विशेषण (ढ़ग तरीका)

(1) स्थानवाचक क्रिया विशेषण :→ क्रिया के स्थान (जगह) का पता चलता है।

① मनीष ऊपर पढ़ रहा है।

(2) तोता पेड़ पर बैठा है।

③ मोहन का घर मेरे दायें वाली गली में है।

④ सीमा इधर गयी है।

(2) काल (समय) बोधक क्रिया विशेषण :→ इससे क्रिया के समय का पता चलता है।

उदा :- (1) वह अब पानी पी रहा है। (काल वाचक)

(2) राम इस समय पढ़ रहा है।

(3) मोहन लगातार मेहनत कर रहा है।

(4) राम आजकल कम दिखाई देता है।

(3) परिमाणवाचक क्रिया विशेषण :→ इससे क्रिया की मात्रा का बोध होता है।

(1) अभिषेक बहुत खाता है।

बहुत — क्रिया विशेषण

खाता — क्रिया

(2) कम मात्रा में भोजन करो।

ज्यादा से ज्यादा पानी पियो ✓

राम बहुत तेज दौड़ता है।

मोहन कम पढ़ता है।

(4) रीतिवाचक क्रिया विशेषण :→ जिन शब्दों से क्रिया करने के ढंग का पता चलता है, वह रीतिवाचक क्रिया विशेषण होते हैं

(ढंग तरीके, लिहाज)

उदा :→ (1) सीता धीरे-धीरे चलती है। | हिन्दी के अध्यापक लिख कर पढ़ाते हैं। ✓

(2) राम ध्यान से पढ़ता है।

(3) रोशनी लड़ी से खाती है।

(4) अचानक बादल गरजने लगे।

(2) संबंध बोधक अव्यय :→ जो शब्द संज्ञा, सर्वनाम के बाद आते हैं तथा दूसरे संज्ञा, सर्वनाम से संबंध बताते हैं

संज्ञा — संज्ञा

(1) पेड़ पर बिल्ली बैठी है। — संबंध

मोहन राधा के संग घूमने गए हैं

(3) धन के बिना जीवन अधूरा है।

गाँव के बाहर तालाब है

(3) **समुच्चयबोधक अव्यय** :→ जो अव्यय दो वाक्यों, दो शब्दों को आपस में जोड़ते हैं, समुच्चयबोधक कहलाते हैं।

उदा :→ अमित (और) सुमित सो रहे हैं।

(2) राम ने बहुत समझाया (परन्तु) उसकी समझ में नहीं आया।

(3) दिन निकला (और) पक्षी चहचहाने लगे।

(4) विस्मयादिबोधन अव्यय :→ जिस वाक्य में धृणा, प्रेम, आश्चर्य, अचरज का प्रयोग होता है —

(!)

(1) हे भगवान! मेरे दोस्त की रक्षा करो।

(2) वाह! मज़ी मजा आ गया।

(3) छिःछि! कितना गंदा दृश्य है।

शाबाश! तुम ऐसे ही आगे बढ़ो ✓

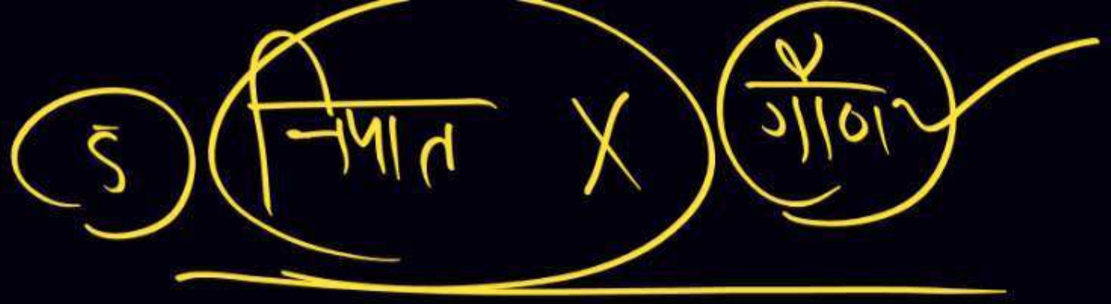

5 निपात X गौण

जो शब्द वाक्य में भार डालते हैं — कारक

(1) आज मैं ही खाना बनाऊँगा। → ही

(2) किसान दिन भर खेत जोतता रहा।